हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 26 अप्रैल 2026

06 जब्ती के बाद सुस्त पड़ा प्रशासनः 11 वाहन थानों...

09 गैस लिकेज में रिटायर्ड इंजीनियर की मौत, पत्नी...

सीहोर | भैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

खबर संक्षेप

मंत्री पटेल ने नर्मदा गुंजारी घाट पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया

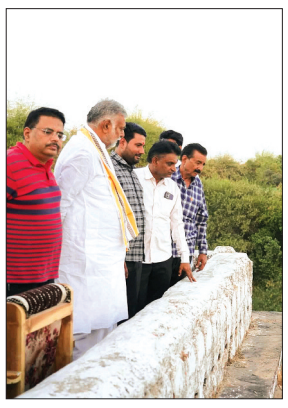

सीहोर। पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधनी जनपद के ग्राम जोशीपुर में गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर चल रहे पुनर्निर्माण एवं नवसंवार कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभी तक की कार्य प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है।

ठंडे पेय और मटकों की बढ़ी मांग, सेहत पर खतरा, बरतें सावधानी

सूरज बरसा रहा आग, पारा 44 डिग्री पार, लू के थपेड़ों से थमा जनजीवन, हर चेहरा बेहाल

गर्मी का आलम यह है कि दोपहर के समय सीहोर, आष्टा, बुधनी, रेहटी, भैरुंदा और इछावर जैसे कस्बों की सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में गर्मी ने इस बार अपने तेवर कुछ इस कदर दिखाए हैं कि सुबह की ठंडी हवा अब बीते दिनों की बात लगने लगी है। सूरज जैसे ही आसमान में चढ़ता है, उसकी तपिश सीधे लोगों की सांसों पर असर डालने लगती है। सुबह 9 बजे के बाद ही ऐसा महसूस होने लगता है मानो दोपहर अपने चरम पर पहुंच गई हो। तेज धूप की चुभन लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर रही है।

44 डिग्री पार पहुंचा पारा, टूटे रिकॉर्ड

शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 6 डिग्री अधिक है। वहीं रात का तापमान भी 27-28 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जिससे लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल पा रही। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में इस तरह की भीषण गर्मी ने मौसम के सारे पुराने रिकॉर्ड को चुनौती दे दी है।

मौसम विभाग की चेतावनी, अभी और बढ़ेगी गर्मी

आरके कॉलेज मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही। राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाएं सीहोर सहित पूरे मध्यप्रदेश को झुलसा रही हैं। आने वाले दो-तीन दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री तक और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे लू का असर और भी खतरनाक हो सकता है।

दोपहर में पसरा सन्नाटा, थमी रफ्तार

गर्मी का आलम यह है कि दोपहर के समय सीहोर, आष्टा, बुधनी, रेहटी, भैरुंदा और इछावर जैसे कस्बों की सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है। लोग केवल जरूरी काम से ही बाहर निकल रहे हैं। जो लोग निकलते भी हैं, वे सिर पर टोपी, आंखों पर चश्मा और चेहरे को गमछे से ढंककर ही बाहर कदम रखते हैं। लू के थपेड़े मानो हर राहगीर को चुनौती दे रहे हों।

ठंडे पेय और मटकों की बढ़ी मांग

भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों की ओर रुख कर रहे हैं। शहर के बाजारों में गन्ने का रस, नींबू पानी, लस्सी और छाछ की दुकानों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। वहीं मिट्टी के घड़ों की मांग भी अचानक बढ़ गई है।

गांवों में पशु-पक्षियों के लिए भी यह समय कठिन साबित हो रहा है, ऐसे में समाजसेवी संस्थाएं पानी के सकोरे रखकर मानवता का परिचय दे रही हैं।

सेहत पर खतरा, बरतें सावधानी

जिला अस्पताल के डॉ आरके वर्मा का कहना है कि गर्मी के मौसम में अपने को सतर्क रहना जरूरी है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इस मौसम में लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, खाली पेट घर से बाहर न निकलें और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को दोपहर के समय बाहर जाने से बचाना बेहद जरूरी है।

बेचैनी भरी दोपहर, तपन की रातें

गर्मी का असर अब इस कदर बढ़ चुका है कि पंखे भी गर्म हवा उगलते नजर आ रहे हैं। दिन तो जैसे-तैसे कट जाता है, लेकिन रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। लोग बेचैनी और थकान के बीच नींद पूरी नहीं कर पा रहे हैं। कुल मिलाकर, सीहोर इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां हर गुजरता दिन लोगों के लिए नई चुनौती बनता जा रहा है।

फायर फाइटर टैंकरों ने बुझाई जुगराजपुर जंगल में लगी आग

सीहोर। सीलखेड़ा पंचायत क्षेत्र के जूगराज पूरा के जंगल में अचानक शुक्रवार दोपहर में आग लग गई। जंगल से उड़ते धुएं और आग ने किसानों को चिंता में डाल दिया।

विधायक सुदेश राय ने सूचना मिलते ही जंगल में लगी आग की घटना को गंभीरता से लिया और नगर पालिका अग्निशमन विभाग सीहोर सहित सुआ खेड़ी सरपंच सुलोचना दांगी और अजमत नगर के सरपंच को मौके पर फायर फाइटर टैंकर भेजने के लिए कहा। सही समय पर मौके पर पहुंचे फायर फाइटर टैंकरों और नगर पालिका की फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

क्षेत्र के जागरूक किसानों ने इस प्राकृतिक आपदा की सूचना तत्काल विधायक सुदेश राय को मोबाइल के माध्यम से दी। किसानों का कहना था कि अगर आग पर काबू पाया नहीं जा सका तो उनके खेतों और गांव तक आग पहुंच जाएगी। जिस से जानमाल की काफी हानि हो सकती है। भीषण गर्मी के कारण विधानसभा क्षेत्र के

जंगलों और खेत खलियानों में आग का असर दिखाई दे रहा है। विधायक सुदेश राय ने आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायत को फायर फाइटर टैंकरों को दुरुस्त रखने और पर्याप्त पानी की व्यवस्था करने आग बुझाने के सभी इंतजाम बनाए रखने क्षेत्र में नागरिकों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था करने और कहीं भी आग लगे की तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों जनप्रतिनिधियों को सूचना देने के निर्देश दिए हैं। विधायक सुदेश राय ने ग्रामीण जनो से भी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की सावधानी बरतने की अपील की है जिससे कि आग लगने जैसी घटनाएं सामने नहीं आए।

सर, रखे-रखे गैस उड़ गई होगी, क्योंकि इसका उपयोग तो हम करते ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

यातायात अमले ने शुक्रवार को एक बस को रोका। चालक के पास फिटनेस, परमिट आदि दस्तावेज नहीं थे। उन्होंने दस्तावेज मंगवाए तो बस स्टाफ दस्तावेज लेकर आया। जब उनसे पूछा गया कि फायर सेफ्टी काम नहीं कर रहा है तो आग लगने पर क्या करोगे। इस पर स्टाफ ने अजीब जवाब दिया कि सर इसका उपयोग तो हम करते नहीं हैं फिर भी रखे-रखे गैस उड़ गई होगी, अब नया खरीद लेंगे। जिस पर सूबेदार ने उन्हें फटकार लगाते हुए फायर सेफ्टी सिस्टम की जरूरत समझाई।

ये हकीकत उन बसों की है जिनमें हजारों लोग सफर करते हैं। बसों में फायर सेफ्टी के इंतजाम महज कागजी और दिखावे तक सीमित हैं। यातायात अमले ने पांच बसों की जांच की, लेकिन इनमें एक भी बस में फायर सेफ्टी सिस्टम सही हालत में नहीं मिला। कई बसों में फायर एक्सटिंग्विशर या तो एक्सपायर थे या पूरी तरह से काम नहीं कर रहे थे।

250 से ज्यादा बसें, फर्स्ट एड बॉक्स न ही स्पीड गवर्नर सीहोर जिला मुख्यालय से करीब 250 से ज्यादा बसें प्रतिदिन गुजरती हैं। इनमें से कई यात्री बसें पुरानी हैं। जिनमें न तो फर्स्ट एड बॉक्स मिलते हैं और न ही स्पीड गवर्नर। यही नहीं कई बसों की फिटनेस भी नहीं है। श्यामपुर, इछावर, आगर जाने वाली कई बसें पुरानी और जर्जर हालत में हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा के लिए लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे जीपीएस ट्रेकिंग सिस्टम जैसी चीजें होती ही नहीं हैं। कई बसें फिटनेस और बिना वैध परमिट के चलती नजर आती हैं।

सूबेदार सीहोर ब्रजमोहन धाकड़ ने बताया कि चैकिंग के दौरान पांच बसों में फायर सेफ्टी सिस्टम चालू नहीं था। इनमें एक स्कूल बस भी थी। चालकों को सिस्टम चालू रखने की सख्त हिदायत दी गई है। इसके साथ ही बिना परमिट बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

लसुड़िया के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से मादा नीलगाय की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रदेश सहित जिले भर में भीषण गर्मी का दौर जारी है। पारा 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे न केवल इंसान बल्कि पशु-पक्षी और जंगली जानवर भी हलाकान हैं। जंगलों में जलस्तर घटने और प्राकृतिक जल स्त्रोतों के सूखने के कारण वन्य प्राणी पानी की तलाश में बसाहटों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी तलाश में शनिवार को ग्राम लसुडिया के पास हाईवे पर एक दुखद हादसा हो गया, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मादा नीलगाय की जान चली गई। ग्रामीणों की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मृत नीलगाय के शव को अपने कब्जे में लिया। टीम ने घटनास्थल का पंचनामा तैयार किया। प्रथम दृष्टया यह साफ है कि नीलगाय को किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। विभाग ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया है, ताकि मौत के सटीक कारणों का पता चल सके।

भीषण गर्मी और पानी का संकट

बता दें कि गर्मी बढऩे के साथ ही जंगली जानवरों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। प्यास बुझाने के चक्कर में ये जानवर जंगलों की सीमा लांघकर नेशनल हाईवे और गांवों की ओर आ रहे हैं, जहां वे दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। हालांकि वन विभाग हर साल दावा करता है कि वन्य प्राणियों के लिए जंगलों के भीतर पानी की हौद (टंकियों) की व्यवस्था की गई है, लेकिन मौजूदा हालातों को देखकर इन इंतजामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अज्ञात वाहन की तलाश जारी

वन अधिकारियों के अनुसार नीलगाय वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अनुसूची-3 का संरक्षित प्राणी है, इसलिए इसकी मृत्यु को गंभीरता से लिया जा रहा है। विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा सके।

जंगलों में बढ़े पानी के इंतजामः स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर वन विभाग जंगलों के भीतर पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करे तो जानवरों को सडक़ों की ओर नहीं आना पड़ेगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि गर्मी को देखते हुए विभाग अपने जल स्त्रोतों की नियमित निगरानी करे और उनमें पानी भरवाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

किसान बोलेः इस फैसले से हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा

सीएम मोहन यादव की घोषणा पर किसानों में खुशी, किया डांडिया नृत्य कर जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में की गई घोषणाओं के बाद सीहोर जिले के किसानों में खुशी का माहौल है। ग्राम चंदेरी, रामखेड़ी, डाबला, बिलकिसगंज समेत दर्जनों गांवों के किसानों ने किसान व समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में डांडिया नाच कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

किसानों की लंबे समय से थी मांग

किसान व समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा ने बताया कि विगत दिनों उनके नेतृत्व में सीहोर जिले के गरंजना गांव में किसानों ने एकत्रित होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से गेहूं खरीदी का आवंटन व दिन बढ़ाने की मांग की थी। कई वर्षों से यह मांग की जा रही थी कि भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा चार गुना किया जाए।

अनोखे अंदाज में जताया आभार

घोषणाओं के बाद किसानों ने पुरानी परंपरा और संस्कृति को कायम रखते हुए डांडिया नाच कर खुशी मनाई। इस दौरान किसानों ने पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम मोहन यादव का आभार जताया।

मीडिया का भी जताया धन्यवाद

एम.एस. मेवाड़ा ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया ने पिछले कई दिनों से किसानों की मांगों को प्रमुखता से उठाया, जिसका असर हुआ कि आज मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लिया है।

इस पर सभी किसानों ने पत्रकारों का भी धन्यवाद किया। किसानों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और भूमि अधिग्रहण में होने वाली विसंगतियां भी दूर होंगी।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की मांगों को स्वीकार करते हुए निम्न घोषणाएं की हैं

1. गेहूं खरीदी की तिथि बढ़ाईः समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई 2026 कर दी गई है।
2. आवंटन में वृद्धिः गेहूं खरीदी का आवंटन बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन किया गया।
3. खरीदी केंद्र 6 दिन खुलेंगेः अब सप्ताह में 6 दिन गेहूं खरीदी होगी।
4. सभी किसानों से खरीदीः छोटे-बड़े सभी किसानों से गेहूं खरीदा जाएगा।
5. भूमि अधिग्रहण पर 4 गुना मुआवजाः किसानों की भूमि अधिग्रहण करने पर भूमि की कीमत चार गुना दी जाएगी।

70 प्रतिशत शिक्षक जनगणना में, प्रोफाइल अपडेट दूसरी बोर्ड परीक्षा, मूल्यांकन पर सीधा असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

1 मई से 30 मई तक जनगणना 2027 के तहत मकानों की गणना शुरू होने जा रही है। इसका सीधा असर जिले की शिक्षा व्यवस्था पर दिख रहा है। जिले में करीब 3000 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें लगभग 70 फीसदी शिक्षक हैं। स्कूलों का नियमित संचालन गंभीर रूप से प्रभावित होगा।

अभी कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इस दौरान भी कई स्कूलों में न बच्चे दिखाई दे रहे हैं। न सभी शिक्षक पहुंच रहे हैं। जनगणना प्रशिक्षण के चलते कई स्कूलों में शिक्षक नजर नहीं आ रहे हैं। कई शिक्षक ड्यूटी हटवाने के प्रयास में लगे हैं। कुछ शिक्षक ड्यूटी हटवाने के बाद भी स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं। स्कूलों में अव्यवस्था बढ़ रही है।

कई प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं बचा है। हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक मौजूद हैं। जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के काम और शिक्षा व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हुई, तो असर पूरे शैक्षणिक सत्र पर पड़ सकता है। 3. कक्षा 10वीं और 12वीं के असफल विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली दूसरी परीक्षा भी प्रभावित हो सकती है। परीक्षा संचालन के लिए केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष तक उपलब्ध नहीं हो पाएंगे क्योंकि हाई और हायर सेकंडरी के प्राचार्यों और व्याख्याताओं की भी ड्यूटी लगी है। इससे परीक्षा कराने में भी परेशानी होगी। 7 मई से यह परीक्षा शुरू हो जाएगी। 4. दूसरी परीक्षा के बाद कॉपियों के मूल्यांकन भी शिक्षकों द्वारा ही किया जाना है, लेकिन उनकी ड्यूटी जनगणना में लगे होने से यह प्रक्रिया भी प्रभावित होगी। इससे परिणाम जारी होने में देरी हो सकती है। मई में विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेट की जानी थी, लेकिन शिक्षकों के नहीं रहने से यह काम समय पर पूरा होना मुश्किल नजर आ रहा है। इससे आगे की शैक्षणिक योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। इधर स्कूल लग चुके हैं लेकिन मई में शिक्षक एक महीने तक इसी का काम को पूरा करते थे, इस बार जो नहीं हो पाएगा। छात्रों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने और मैपिंग की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। पर्याप्त स्टाफ न होने से डेटा एंट्री और सत्यापन में देरी तय मानी जा रही है। जनगणना में ड्यूटी होने से यह काम भी पूरी तरह से प्रभावित होगा।

खबर संक्षेप

दो दिवसीय श्री नरसिंह चरितामृत का आयोजन

सीहोर। श्री शुभ नरसिंह जयंती के पावन अवसर पर सीहोर में पहली बार दो दिवसीय श्री नरसिंह चरितामृत का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 27 एवं 28 अप्रैल को रात्रि 8 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन प्राचीन सिद्ध पीठ श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर, कोलीपुरा में किया जाएगा, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ उठा सकेंगे। इस धार्मिक आयोजन में कथा वाचन का सौभाग्य ज्योतिष एवं भागवत सिंधु आचार्य पं. हर्षित शास्त्री के मुखारविंद से किया जाएगा के रूप में किया जाएगा। वहीं मंदिर के व्यवस्थापक संत माधव दास महाराज के सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजन श्री लक्ष्मी नरसिंह सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक लाभ एवं भक्ति भाव को जागृत करने का विशेष अवसर है। सभी भक्तों से सादर आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का श्रवण करें और पुण्य लाभ प्राप्त करें।

सीहोर चिल्ड्रन ने सीहोर गर्ल्स को 3-2 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर शुक्रवार को ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले में सीहोर चिल्ड्रन की टीम ने सीहोर गर्ल्स को 3-2 से हराया। इस मैच में सीहोर गर्ल्स की ओर से सिया ने दो गोल लगातार किए थे।
जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने बताया कि शाम को खेले गए कांटे के मुकाबले में सीहोर चिल्ड्रन टीम ने शानदार जीत हासिल की। इस मुकाबले में सीहोर चिल्ड्रन की ओर से अर्थव, अग्रीम और कुणाल ने एक-एक गोल किया था। वहीं सीहोर गर्ल्स की ओर से सिया ने दो गोल किए।

इंटीग्रिटी सल्युशन ने क्रिसेंट वारियर्स को 111 रन से हराया

सीहोर। विमला देवी राय इंटर हाउस लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शहर के बीएसआई मैदान पर किया जा रहा है। शुक्रवार को एक तरफा मुकाबले में इंटीग्रिटी सल्युशन टीम ने क्रिसेंट वारियर्स को 111 रन से हराया। इस मुकाबले में भविष्य त्यागी ने 60 रन की पारी खेलने के साथ ही पांच ओवर में मात्र 11 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। इसके अलावा यश कुशवाहा ने 40 रन, रोहन चंद्रवंशी ने 33 रन की पारी खेली। इस मौके पर आयोजन समिति की ओर से कोच आदर्श राय आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंटीग्रिटी सल्युशन टीम ने 40 ओवर में नौ विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इसमें भविष्य त्यागी ने 60 रन बनाए।

अवैध खनन के कारोबार में मिलीभगत से रात में जारी उत्खनन, कार्रवाई पर संदेह, प्रशासन की साख दांव पर

जब्ती के बाद सुस्त पड़ा प्रशासन: 11 वाहन थानों में खड़े किए फाइलें दफ्तरों में हुई कैद

24 दिन बाद भी कलेक्टर तक नहीं पहुंचीं फाइलें, सुरक्षा और माफियाओं पर कार्रवाई पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

अवैध खनन और परिवहन पर सख्ती के दावों के बीच प्रशासन की हालिया कार्रवाई अब खुद ही सवालों के घेरे में आ गई है। करीब 24 दिन पहले बड़े स्तर पर की गई संयुक्त कार्रवाई में जप्त किए गए 11 वाहन आज भी थानों में खड़े हैं, लेकिन उन पर जुर्माना तय करने और वसूली की वैधानिक प्रक्रिया शुरू तक नहीं हो सकी है। हालात यह हैं कि पूरी कार्रवाई कागजों और फाइलों में उलझकर रह गई है, जिससे प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

दरअसल, 3 अप्रैल को राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने भैरूंदा, सिलकंठ और चोरसाखेड़ी क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान चलाकर 2 पोकलेन, 4 जेसीबी, 2 लोडर, 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 1 पनडुब्बी ट्रैक्टर समेत कुल 11 वाहनों को जप्त किया था। उस समय इसे बड़ी सफलता बताते हुए अधिकारियों ने दावा किया था कि इस कार्रवाई से खनन माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। नियमानुसार जप्त वाहनों की फाइलें खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा तैयार कर जिला कलेक्टर कार्यालय भेजी जानी चाहिए थीं, ताकि जुर्माना तय कर वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ सके। हैरानी की बात यह है कि 24 दिन बीत जाने के बाद भी एक भी फाइल कलेक्टर कार्यालय तक नहीं पहुंची है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी फाइलों को आगे बढ़ाने में क्यों रुचि नहीं ले रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो खनिज विभाग द्वारा जप्त की गई पोकलेन मशीनों की फाइलें भी विभागीय स्तर पर ही अटकी हुई हैं। न जुर्माना तय हुआ और न ही वसूली की कोई पहल की गई। इससे शासन को राजस्व नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था भी कटघरे में

थाना भैरूंदा और गोपालपुर परिसर में खड़े इन जप्त वाहनों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। वाहन मालिकों का आरोप है कि खड़े वाहनों से कीमती पार्ट्स और सामान गायब हो रहे हैं। हालांकि इस तरह के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की है। इससे प्रशासन की मंशा और कार्यप्रणाली दोनों पर संदेह गहराता जा रहा है।

दूसरी ओर, वाहन मालिक रोजाना तहसील से लेकर जिला खनिज कार्यालय तक चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट जवाब नहीं मिल पा रहा। आरोप यह भी लग रहे हैं कि जानबूझकर फाइलों को रोका जा रहा है।

रात में जारी खनन, कार्रवाई पर संदेह

इधर, अवैध खनन पर लगाम लगाने के दावों के बीच नर्मदा नदी क्षेत्र में रात के अंधेरे में रेत का अवैध खनन जारी रहने की खबरें सामने आ रही हैं। पनडुब्बी मशीन, प्रोक्लेम और जेसीबी के जरिए खुलेआम खनन किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि एक दिन की कार्रवाई क्या सिर्फ दिखावे के लिए थी या फिर किसी दबाव में की गई थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई और जुर्माना वसूली नहीं की गई, तो माफियाओं के हौसले और बुलंद होंगे। वहीं यह भी चर्चा है कि अधिकारी किसी के इशारों पर फाइलों को दबाए बैठे हैं, जिससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रशासन की साख दांव पर

शासन स्तर से अवैध खनन पर सख्ती के स्पष्ट निर्देश हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर लापरवाही और ढिलाई इन निर्देशों को कमजोर कर रही है। अब जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार अधिकारी तुरंत संज्ञान लेते हुए लंबित फाइलों को कलेक्टर कार्यालय भेजें और जुर्माना वसूली की प्रक्रिया जल्द शुरू करें। फिलहाल, यह मामला प्रशासन की साख पर बड़ा सवालिया निशान बनकर खड़ा है।

जिला खनिज अधिकारी धर्मेंद्र चोहान का कहना है कि नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर क्विज प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

सीहोर। श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज द्वारा म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के तत्वावधान में आयोजित विश्व पृथ्वी दिवस (22–24 अप्रैल 2026) समारोह का तृतीय दिवस अत्यंत उत्साह और जागरूकता के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं, जागरूकता गतिविधियों एवं विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिन की शुरुआत एक विशाल जागरूकता रैली से हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र-छात्राएं, संकाय सदस्य एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।तत्पश्चात विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. सुरेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक 'E', CSIR-एएमपीआरआई, भोपाल ने "इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ऊर्जा भंडारण उपकरण" विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने सतत ऊर्जा और भविष्य की परिवहन प्रणाली में ऊर्जा भंडारण तकनीकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में आगे क्विज प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। होम्योपैथी विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. सुसान थॉमस एवं डॉ. गर्गी सिंह के मार्गदर्शन में प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इसके पश्चात विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में ग्रीन प्लेज (हरित शपथ) समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ ली।समारोह का समापन वैलेडिक्टरी सेशन के साथ हुआ, जिसमें समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार पुसे ने तीनों दिनों में आयोजित गतिविधियों विशेषज्ञ व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें विजेताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों को प्रमाणपत्र, ट्रॉफी एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान किए गए।कार्यक्रम के अंत में समन्वयक द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। यह संपूर्ण आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मुकेश तिवारी, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय राठौर, डीन इंजीनियरिंग डॉ. राजेन्द्र कुशवाह, डॉ. मोहित गंगवार, डॉ. निलेश दीवाकर, डॉ. सुसान थॉमस के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार पुसे, सह-समन्वयक डॉ. गीता खूबचंदानी एवं श्री देश दीपक श्रीवास अंकित नवगीत जोशी का विशेष योगदान रहा।विश्व पृथ्वी दिवस के इस आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीषण गर्मी का कहर: 43 डिग्री में झुलसता जनजीवन, मूंग की फसल सूखने की कगार पर, किसान परेशान

तेज गर्मी और गिरते जलस्तर ने बढ़ाई किसानों की चिंता, मजदूर वर्ग पर दोहरी मार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ही भीषण गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाते हुए जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शनिवार को तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे शहर से लेकर गांव तक लोग तपन से बेहाल नजर आए। सुबह से ही तेज धूप और दोपहर में चलने वाली लू के थपेड़ों ने हालात और कठिन बना दिए हैं। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

गर्मी का सबसे ज्यादा असर खेतों में काम कर रहे किसानों और मजदूरों पर देखने को मिल रहा है। तपती धूप में मजदूर पसीना बहाकर काम करने को मजबूर हैं, वहीं किसान अपनी जायद की फसल को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। खासकर मूंग की फसल इस समय संकट में है। लगातार बढ़ते तापमान और पानी की कमी के कारण कई खेतों में मूंग की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है।

किसानों का कहना है कि इस भीषण गर्मी से जहां तापमान में वृद्धि हुई तो वहीं लगातार भूजल स्तर गिरने से सिंचाई के साधन कमजोर पड़ गए हैं। कई जगहों पर कुएं और ट्यूबवेल का जलस्तर नीचे चला गया है, जिससे मूंग की फसल को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। ऐसे में किसान मोटर पंप, टैंकर और अन्य संसाधनों के जरिए फसल को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन बढ़ती गर्मी उनके प्रयासों पर भारी पड़ रही है।

इधर बाजारों में भी गर्मी का असर साफ नजर आ रहा है। दोपहर के समय जहां आम दिनों में चहल-पहल रहती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा रहता है। दुकानों पर ग्राहकों की संख्या घट गई है, जिससे छोटे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। कई दुकानदार गर्मी से राहत पाने के लिए दुकानों के सामने पानी का छिड़काव कर रहे हैं, तो कुछ पंखे और कूलर के सहारे दिन निकाल रहे हैं।

बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। कई इलाकों में बार-बार बिजली गुल होने से लोग उमस भरी गर्मी में बेहाल हो रहे हैं। बिजली जाते ही लोग हाथ पंखों का सहारा लेने को मजबूर हो जाते हैं। रात के समय भी चैन की नींद मुश्किल हो गई है।

हालांकि गर्मी के इस दौर में ठंडे पेय पदार्थों की मांग बढ़ गई है। गन्ने का रस, नींबू पानी, लस्सी, शिकंजी और आइसक्रीम की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। इससे ठेला संचालकों और छोटे व्यापारियों को कुछ राहत जरूर मिली है। बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर लोग छांव में बैठकर प्याऊ का ठंडा पानी पीते नजर आ रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भीषण गर्मी को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि इस मौसम में डिहाइड्रेशन, चक्कर, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचना चाहिए।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में मई-जून में गर्मी और विकराल रूप ले सकती है। फिलहाल न तो आमजन को राहत के आसार नजर आ रहे हैं और न ही किसानों को अपनी फसल को लेकर कोई उम्मीद दिख रही है। बारिश का इंतजार अब सभी के लिए सबसे बड़ी उम्मीद बन गया है।

साइकिल मिलते ही खुशी से खिल उठे बच्चों के चेहरे, स्कूल जाना होगा आसान

भैरुंदा। सरकारी योजनाएं जब जमीन पर उतरती हैं तो उनका असली असर लोगों के चेहरों पर दिखता है। ऐसा ही नजारा हाई स्कूल नीमोटा में देखने को मिला, जहां शासन की सायकिल वितरण योजना के तहत पांच छात्र-छात्राओं को सायकिलें वितरित की गईं। सायकिल मिलते ही बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उनकी मुस्कान ने पूरे माहौल को उत्साह से भर दिया। अब तक इन विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ती थी, जिससे न सिर्फ समय लगता था बल्कि थकान भी होती थी। कई बार मौसम की मार भी उनकी पढ़ाई में बाधा बनती थी। लेकिन अब सायकिल मिलने से उनकी यह परेशानी काफी हद तक दूर हो जाएगी। सायकिल के सहारे वे कम समय में आसानी से स्कूल पहुंच सकेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सायकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्राचार्य चंपालाल बकरियां ने बच्चों को सायकिलें सौंपीं। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजना खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और उनकी राह आसान बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टाफ और अन्य उपस्थित लोगों ने भी बच्चों को शुभकामनाएं दीं। बच्चों ने भी सायकिल पाकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब वे समय पर स्कूल पहुंच सकेंगे और पढ़ाई में पीछे नहीं रहेंगे।

आगामी 9 मई को वर्षों पुराने लंबित प्रकरणों में होंगे आपसी समझौते

नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक और जागरुकता शिविर किया आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में जिला न्यायालय स्थित जिला अभिभाषक संघ सभागृह में बैठक एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई और प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन में अधिवक्ताओं का अहम योगदान रहता है, क्योंकि पक्षकार अपने अधिवक्ता की बात पर अधिक विश्वास करता है। नेशनल लोक अदालत में त्वरित निराकरण से पक्षकारों का विश्वास बढ़ता है। सभी को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का विकल्प अपनाना चाहिए एवं पक्षकारों को लाभांवित करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय वैभव मंडलोई ने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमे प्रकरण की कोई अपील नहीं होती है और इसमें पक्षकार के विवाद का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। इसके माध्यम से कई परिवार बर्बाद होने से बच जाते है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव स्वप्नश्री सिंह द्वारा नेशनल लोक अदालत के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये अधिक से अधिक पक्षकारों विशेष रूप से वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक इसका लाभ पहुंचाने का आह्वान किया गया। साथ ही नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों एवं जलकर, सम्पत्तिकर के प्रकरणों में घोषित छूट एवं नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य ट्रेफिक चालान एवं राजस्व प्रकरणों के रखे जाने के बारे में जानकारी देते हुय अधिक से अधिक निराकरण कर लाभ उठाने की अपील की गई।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय वैभव मंडलोई, विशेष न्यायाधीश हेमंत जोशी, प्रथम जिला न्यायाधीश स्मृतासिंह ठाकूर, द्वितीय जिला न्यायाधीश एमके वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनीता गुप्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव स्वप्नश्री सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अनिल पारे, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, जिला अभियोजन अधिकारी अमिता बरतारिया, अभियोजन अधिकारीगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, पैनल एवं अन्य अधिवक्तागण आदि उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में छात्राओं व महिला स्टाफ के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगा

सीहोर। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में छात्राओं एवं महिला स्टाफ के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का 24 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:00 बजे से किया गया। यह शिविर "नारी शक्ति वंदन" कार्यक्रम के साथ-साथ राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुआ , जिसमें सभी का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

महाविद्यालय प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला चिकित्सालय सीहोर द्वारा इस शिविर हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम नियुक्त की गई। टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सायमा सुल्ताना, परामर्शदाता ममतेश राठौर, नर्सिंग अधिकारी अलका बामने, देवेन्द्र हजारे सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल रहे । ये सभी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रकार की जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। शिविर के दौरान महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं, एनीमिया, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य तथा सामान्य रोगों की जांच की गई। आवश्यकता अनुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया तथा आगे के उपचार के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया।

महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर बीमारियों की पहचान करना और उन्हें उचित परामर्श व उपचार उपलब्ध कराना है। जिला स्तर पर महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत यह शिविर एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्राचार्य ने सभी छात्राओं एवं महिला स्टाफ से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर शिविर का अधिकतम लाभ लेने की अपील की थी जो सफल रहा ।

जोरदार धमाके से घर के खिड़की-दरवाजे टूटे, दीवारों में आई दरार

गैस लिकेज में रिटायर्ड इंजीनियर की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

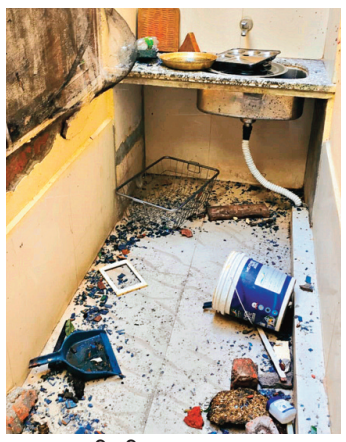

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ब्यावरा

शहर के शिवधाम कॉलोनी में शुक्रवार सुबह गैस लीकेज से हुए धमाके में एक रिटायर्ड इंजीनियर की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी गंभीर रूप से झुलस गईं जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। यह घटना सुबह करीब 6 बजे चूल्हा जलाने की कोशिश के दौरान हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घर में गैस सिलेंडर से रातभर धीरे-धीरे लीकेज होता रहा। बंद कमरे में गैस भरती गई, जिसका परिवार को अंदाजा नहीं लगा। सुबह 85 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर सुरेश सिंह भल्ला रसोई में पहुंचे और जैसे ही उन्होंने चूल्हा जलाया, कमरे में भरी गैस ने जोरदार विस्फोट का रूप ले लिया। धमाका इतना तेज था कि घर के खिड़की-दरवाजे टूट गए और दीवारों में दरारें आ गईं। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत बाहर निकल आए। पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की और घायलों को निकालने में मदद की। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग पर काबू पाया जा सका।

इस हादसे में सुरेश सिंह भल्ला करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गए थे। उन्हें तत्काल ब्यावरा के सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत में भोपाल रेफर कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उनकी पत्नी पद्मावती भल्ला भी आग से झुलसी हैं और उनका इलाज जारी है। मूल रूप से पानीपत निवासी यह दंपति

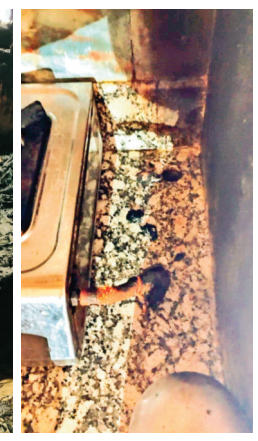

पिछले 13 वर्षों से ब्यावरा में रह रहा था। उनकी कोई संतान नहीं थी और वे इस मकान में अकेले ही रहते थे। देहात थाना पुलिस के एएसआई गंगा प्रसाद साहू ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में हादसे की वजह गैस लीकेज मानी जा रही है, हालांकि तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव

परिजनों को सौंप दिया गया।

2 वर्षीय मासूम की मौत, 9 यात्री घायल

एनएच-46 पर हादसा, स्लीपर बस अनियंत्रित होकर मिट्टी के ढेर में घुसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरसिंहगढ़

राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर नरसिंहगढ़-गादिया के समीप शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। लखनऊ से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पड़े मिट्टी के ढेर में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में इंदौर के खजराना क्षेत्र निवासी 2 वर्षीय मासूम अहमद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 9 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। शादी समारोह से लौट रहा था परिवार जानकारी के अनुसार मृतक मासूम अपने परिवार के साथ एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

लापरवाही आई सामने

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस चालक ने वाहन क्लीनर को सौंप दिया था, जो ब्यावरा से ही बस चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस रास्ते में कई बार लहराती हुई चली और एक स्थान पर सड़क से नीचे उतरने से बाल-बाल बची। यात्रियों द्वारा टोके जाने के बावजूद क्लीनर ने बस चलाना जारी रखा। कुछ दूरी आगे बढ़ने पर बस नियंत्रण खो बैठी और मिट्टी के ढेर में धंस गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही हादसे का मुख्य कारण मानी जा रही है।

हाईवे हादसे में खुला अवैध शराब तस्करी का राज, दो आरोपी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सारंगपुर

गुरुवार को नेशनल हाईवे पर गोपालपुरा के समीप हुए सड़क हादसे ने अवैध शराब तस्करी के मामले का खुलासा कर दिया। जानकारी के अनुसार एक वेगेनार कार क्रमांक एमपी 09 डब्लू एफ 5467 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में गिरकर पलट गई, जिसमें सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान जगदीश पिता देवीसिंह नागर एवं दुर्गेश पिता भाव सिंह नागर के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल सिविल अस्पताल सारंगपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने देखा कि कार में भारी मात्रा में देशी शराब भरी हुई थी। बताया जा रहा है कि वाहन में करीब 20 पेटी शराब रखी हुई थी, जो दुर्घटना के दौरान सड़क पर बिखर गई। स्थिति का फायदा उठाते हुए आसपास के लोगों ने शराब की बोतलें उठा लीं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से करीब 350 क्वार्टर देशी शराब जब्त की। प्रारंभिक जांच में यह शराब अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी। पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि यदि यह हादसा नहीं होता, तो अवैध शराब परिवहन का यह मामला सामने नहीं आ पाता। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

बस-ट्रक की भिड़ंत में एक की मौत, 28 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ब्यावरा

नेशनल हाईवे 52 पर पचोर रोड पर शुक्रवार रात्रि में करीब 4 बजे के आसपास एक बस और ट्रक में भिड़ंत हो गई। जिसमें बस हेल्पर परमानंद राजपूत की उपचार के दौरान मौत हो गई और करीब 28 यात्री घायल हुए हैं।

सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं 112 शासकीय वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। करनवास क्षेत्र अंतर्गत आजाद पेट्रोल पंप के पास पचोर-ब्यावरा रोड पर बस एवं ट्रक के बीच दुर्घटना घटित हुई। फरियादी नवलकिशोर शर्मा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई कि बस इंदौर से आगरा जा रही थी जिसमें लगभग 38 यात्री सवार थे। रास्ते में एक ट्रक चालक द्वारा सड़क पर लापरवाही पूर्वक खड़ा कर रखा था। जिसमें बस पीछे से टकरा गई। दुर्घटना में बस हेल्पर कल्लू उर्फ परमानंद राजपूत की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई तथा लगभग 27-28 यात्री घायल हुए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस व डायल 112 तुरंत मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केएल बंजारे के निर्देशन में ब्यावरा प्रकाश शर्मा, थाना प्रभारी ब्यावरा वीरेन्द्र धाकड़, देहात थाना प्रभारी प्रवीण जाट एवं थाना प्रभारी करनवास संगीता शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। थाना पचोर, देहात ब्यावरा, करनवास, ब्यावरा सिटी की डायल 112 टीम द्वारा तुरंत राहत कार्य प्रारंभ किया गया। डायल 112 वाहनों से 108 एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल ब्यावरा पहुंचाया गया। शासकीय वाहनों से भी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। एम्बुलेंस पहुंचने पर शेष घायलों को भी एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की इस त्वरित, संवेदनशील एवं मानवीय कार्यवाही के कारण घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। प्रकरण दर्ज थाना करनवास में धारा 281, 125(ए), 125(बी), 106(1) बीएनएस एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

कृषि उपज मंडी के धर्म कांटा में मिली गड़बड़ी, सील किया

खिलचीपुर। कृषि उपज मंडी में किसानों के गल्ले की तौल में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। धर्म कांटा संचालक पर किसानों ने कम तौल कर सीधी लूट करने का आरोप लगाया है। किसानों की शिकायत के बाद नापतौल विभाग और मंडी प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में धर्म कांटा को मौके पर ही सील कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार मंडी में उपज बेचने पहुंचे किसानों ने आरोप लगाया कि धर्म कांटे पर बार-बार तौल कराने के बावजूद वजन कम बताया जा रहा था। संदेह होने पर किसानों ने विरोध जताया और मंडी अधिकारियों को शिकायत दी। शिकायत मिलते ही नापतौल विभाग के अधिकारियों और मंडी अधिकारी ने किसानों की मौजूदगी में दोबारा तौल कराई। जांच के दौरान 6 से 7 किसानों के गल्ले की तौल में लगभग 7 से 8 क्विंटल तक का अंतर पाया गया। इतनी बड़ी मात्रा में वजन कम निकलने से किसानों में आक्रोश फैल गया। किसानों ने इसे सुनियोजित तरीके से की जा रही लूट बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में गड़बड़ी की पुष्टि होने पर संबंधित धर्म कांटा को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। साथ ही संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंडी प्रशासन ने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। वहीं किसानों ने मांग की है कि मंडी में सभी तौल कांटों की नियमित जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी किसान के साथ धोखाधड़ी न हो।

प्रेसवार्ता में कांग्रेस और सहयोगी दलों पर फूटा गुस्सा

राजनीतिक स्वार्थ ने करोड़ों महिलाओं का अधिकार छीना : ऊषा ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजगढ़

हाल ही में लोकसभा में जो हुआ, वह केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है।

महिला विरोधी गठबंधन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक को रोककर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। एंटी वूमन एलाएंस की सच्चाई देश के सामने आ चुकी है। कांग्रेस, डीएमके और उनके सहयोगियों के इस महिला विरोधी गठबंधन ने न केवल एक विधेयक को रोका, बल्कि करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

यह बात शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में महिला आरक्षण एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक उषा ठाकुर ने कही। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर उपस्थित थे। आगे उषा ठाकुर ने कहां की कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और पूरे इंडिया गठबंधन ने एक ऐतिहासिक अवसर को बाधित किया। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों के कारण रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि तीन तलाक, अनुच्छेद 370 से प्रभावित कश्मीरी महिलाओं के अधिकार का विरोध किया।

कांग्रेस ने महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों पर 98 वर्षों का अहसान जताया, लेकिन संसद में उनकी आकांक्षाओं को कुचलते हुए इठलाई, मुस्कुराई, मेज थपथपाई और जश्न मनाया। प्रेसवार्ता के अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री देवी सिंह सोंधिया, जिला कोषाध्यक्ष शैलेश गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी आनंद त्रिपाठी जगदीश दास, नीलम सक्सेना, श्याम मंडलोई, मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य सहित अन्य उपस्थित थे।

कई समस्याओं का मौके पर ही किया गया निराकरण

कलेक्टर ने लगाई रात्रि चौपाल, ग्रामीणों से हुए रूबरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजगढ़

सुशासन को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने के उद्धेश्य से कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा द्वारा गुरुवार रात्रि जीरापुर ब्लॉक के बाड़गांव एवं खिलचीपुर के दोलाज में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। खुले आसमान के नीचे आयोजित इस चौपाल में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने ग्रामीणों और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा अनेक मामलों में मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और किसी भी समस्या की जानकारी बेझिझक प्रशासन तक पहुंचाएं। किसानों से संवाद करते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने नरवाई न जलाने की अपील करते हुए इसे पर्यावरण, भूमि की उर्वरता और जनस्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने किसानों को जैविक खेती का महत्व बताते हुए कहा कि इससे न केवल मृदा की गुणवत्ता सुरक्षित रहती है, बल्कि उत्पादन भी दीर्घकालीन रूप से बेहतर होता है।

मौके पर ही उपस्थित रहे राजस्व अधिकारी

राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूदगी में राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने नामांतरण, बंटवारा एवं अन्य लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा गौशाला हेतु भूमि की मांग पर कलेक्टर ने तहसील को एक हेक्टेयर भूमि आवंटन करने के आदेश प्रदान किए। इस अवसर पर सीईओ जिपं डॉ इच्छित गढ़पाले, तहसीलदार जीरापुर कमल सोलंकी सहित जनपद, पंचायत के जिम्मेदार मौजूद थे।

कायस्थ समाज ने मनाया

निरस्तीकरण के लिए न बीएमओ न ही सांख्यिकी विभाग ने उठाया कोई कदम

भगवान चित्रगुप्त जन्मोत्सव

समाज की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

राजगढ़। कायस्थ समाज द्वारा भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्योत्सव विभिन्न धार्मिक एवं अन्य आयोजनों के साथ मनाया जाय। चित्रगुप्त मंदिर परिसर में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्र के साथ ही समाज की होनहार प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। सुबह मंदिर में भगवान चित्रगुप्त का अभिषेक किया गया। इसके बाद यज्ञ-हवन हुआ, जिसमें समाजजन ने आहुति दी। शाम को महाआरती के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। कार्यक्रम में बच्चों व महिलाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने पर्यावरण व संस्कृति से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। पिछले एक साल में अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने पर महिला इकाई की कमान उमा सक्सेना एवं युवा अध्यक्ष की जिम्मेदारी यश सक्सेना को सौंपी गई। यह कार्यकारिणी वरिष्ठ अध्यक्ष निर्मल श्रीवास्तव ने घोषित की। अन्य पदों पर उपाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, सचिव दिनेश श्रीवास्तव, उप-सचिव महेंद्र सक्सेना, कोषाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, युवा कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर व सहसचिव अनुराग श्रीवास्तव को चुना गया।

मंदिर विकास पर भी हुई चर्चा: आयोजन के दौरान समाजजन ने चित्रगुप्त मंदिर के विकास को लेकर सुझाव दिए। इन सुझावों के आधार पर आगे कार्ययोजना बनाने की बात कही गई। समाजजनों ने बताया कि समाज को एकजुट रखने के लिए सालभर अलग-अलग कार्यक्रम होते हैं। महाराजा चित्रगुप्त के प्राकट्योत्सव का कार्यक्रम इसी कड़ी का प्रमुख आयोजन है।

500 से अधिक फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बने लेकिन निरस्त एक भी नहीं

जीरापुर ब्लॉक के तहत आ रहे रामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला, जांच हो तो जिले के अन्य केंद्रों से भी सामने आ सकता है ऐसा फर्जीवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजगढ़

जिले के स्वास्थ्य महकमे में चल रहे गड़बड़झालों में रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। विगत दिनों जीरापुर विकासखंड के तहत आ रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ में 200 से अधिक फर्जी जन्म-प्रमाण पत्र जनरेट किए जाने का मामला सामने आया था। इस मामले में विभाग द्वारा अपने स्तर से करवाई गई जांच में अब खुलासा हुआ है कि अकेले रामगढ़ केंद से ही 500 से ज्यादा फर्जी जन्म-प्रमाण जारी हुए हैं। इस पूरी कारगुजारी को अक्टूबर 2024 से फरवरी 2026 के मध्य तत्कालीन कप्यूटर ऑपरेटर अर्जुन बैरागी ने लोक सेवा केंद्र के कर्मचारियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। विभाग द्वारा राजगढ़ पुलिस को दिए गए प्रतिवेदन के उपरान्त मुख्य सरगना अर्जुन बैरागी सहित 6 अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज करते हुए भलेही उन्हें जेल भेज दिया गया हो लेकिन इस मामले में बड़ा प्रश्न यह भी है कि जितने जाली बर्थ सर्टिफिकेट जारी हो चुके हैं

क्या सांख्यिकी विभाग द्वारा उन्हें निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही उक्त फर्जीवाड़ा सिर्फ जिले के एक ही केंद्र से सामने आया है। ऐसे में इस बात की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर प्रशासन द्वारा वृहद स्तर से जांच करवाई जाए तो जिले के अन्य केंद्रों से भी इस तरह के मामले सामने आ सकते हैं।

अंतरराज्यीय गिरोह के जुड़े होने की संभावना

रामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जितने भी फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र जारी हुए हैं उनमें न केवल मध्यप्रदेश बल्कि तेलंगाना, बिहार, उत्तर-प्रदेश, असम सहित अन्य राज्यों के व्यक्तियों के हैं। ऐसे में कोई बड़ी बात नहीं कि गिरफ्तार व्यक्तियों के अलावा भी कोई बड़ा सिंडीकेट जिले में सक्रिय हो जो अन्य केंद्रों से भी फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र जारी करवा रहा हो।

जांच हो तो हो सामने आ सकते हैं अन्य नाम

फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र के इस पूरे मामले में कार्यवाही की तलवार सिर्फ कम्प्यूटर ऑपरेटर अर्जुन बैरागी और लोक सेवा केंद्र में कार्यरत उसके कुछ साथियों तक ही सिमट कर रह गई है। अगर विभाग या प्रशासन द्वारा गहराई से पूरे मामले की पड़ताल करवाई जाए तो रामगढ़ एवं जीरापुर ब्लौक के अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों की संलिप्तता भी सामने आ सकती है।

भारत के बाहरी नागरिक के भी हो सकते हैं जन्म प्रमाण-पत्र

आमजनों का कहना है कि फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र के मामले को सिर्फ एक छोटे से अपराध के रूप में भी नहीं देखा जाना चाहिए। यह भी संभव है कि भारत में विदेशी घुसपैठ करने वाले वाले लोगों के भी जन्म प्रमाण-पत्र जारी हो चुके हों एवं इन्हीं जन्म प्रमाण-पत्रों के आधार पर घुसपैठियों ने आधार सहित अपने अन्य दस्तावेज भी तैयार करवा लिए हों।

कार्रवाई करेंगे...

फर्जी जन्म प्रमाण-पत्रों के निरस्तीकरण के लिए हम आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से परामर्श लेकर आगे उचित कार्यवाही करेंगे।

सुनील चैरसिया, बीएमओ, ब्लॉक जीरापुर

बीएमओ स्तर से ही निरस्त होंगे

केंद्र पर जन्मे बच्चों के अलावा जो भी सर्टिफिकेट जारी हुआ है वह फर्जी है। ऐसे सभी फर्जी प्रमाण-पत्र बीएमओ स्तर से ही निरस्त होंगे, हमारे स्तर से नहीं। मैं बीएमओ से चर्चा करके आगे की कार्यवाही करवाता हूं।

कमल किशोर, सांख्यिकी अधिकारी, राजगढ़

खबर संक्षेप

संभागीय पर्यवेक्षक ने किया निरीक्षण

देवास। मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 26 अप्रैल को आयोजित होगी। जिले में पीएससी की परीक्षा की तैयारियों के संबंध में संभागीय पर्यवेक्षक रमन सिंह सिकरवार द्वारा देवास में परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पीएससी परीक्षा के लिए की जा रही सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लाइजनिंग अधिकारी प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र देवास बी.एस. राणा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए देवास जिला मुख्यालय पर 7 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिसमें 2 हजार 220 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर निरीक्षण के लिए उड़नदस्ता दल का गठन कर अधिकारी,कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रारंभिक परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। सामान्य अध्ययन का प्रथम प्रश्न पत्र का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सामान्य अभिरूचि परीक्षण का द्वितीय प्रश्न पत्र अपरान्ह 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगा।

योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक न रहे सीमित : कलेक्टर बालागुरु के.

सहकारी बैंकिंग और नई कृषि तकनीक से सशक्त बनें किसान, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रत्येक किसान तक पहुंचे योजना का लाभ, आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करें कृषि अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य, मार्कफेड एवं पशुपालन विभाग की गतिविधियों एवं कार्यप्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचना चाहिए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर निगरानी मजबूत की जाए और योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव सीधे किसानों और आमजन के जीवन में दिखाई देना चाहिए।

बैंकिंग व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश : बैठक में कलेक्टर बालागुरु के ने जिला सहकारी बैंक की बैंकिंग व्यवस्था मजबूत करने और किसानों को अधिक सुविधा और राहत देने की बात कही। सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सीहोर की जिला सहकारी केंद्रीय बैंक वर्ष 2026 में लगभग 10.34 करोड़ रुपए के वार्षिक लाभ में है तथा नाबार्ड से पुनर्वित्त के लिए पात्र है। पैक्स के कम्प्यूटरीकरण, ईआरपी एंट्री एवं ई-पैक्स व्यवस्था के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही कालातीत कृषि ऋणों की वसूली के लिए रिस्ट्रक्चरिंग योजना लागू की जा रही है।

मत्स्य विभाग की योजनाओं का अधिक से अधिक हितग्राहियों को मिले लाभ

कलेक्टर बालागुरु के ने मत्स्य विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए कि जिले के जल संसाधनों का प्रभावी उपयोग उपयोग किया जाए और अधिक से अधिक हितग्राही लाभान्वित हो सके। बैठक में जानकारी दी गई थी 328 ग्रामीण तालाब एवं 69 सिंचाई जलाशयों में 100 प्रतिशत क्षेत्र में मत्स्य पालन किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में मत्स्योत्पादन के लिए 347 टन के लक्ष्य के विरुद्ध 326.30 टन उत्पादन हासिल कर 94 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत आवंटित राशि का शत-प्रतिशत उपयोग किया गया है। साथ ही स्मार्ट फिश पार्लर योजना के अंतर्गत लक्ष्यों के अनुरूप निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे मत्स्य व्यवसाय को बढ़ावा मिल रहा है और रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। बैठक में कलेक्टर बालागुरु के ने कृषि अधिकारियों को किसानों को कृषि क्षेत्र में आ रहे बदलाव की त्वरित जानकारी पहुंचाने और नवीनतम कृषि पद्धतियों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान वर्ष 2026-27 के लिए कृषि योजना के अंतर्गत खरीफ एवं रबी फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के लक्ष्य निर्धारित किए गए। खरीफ 2026 के लिए बीज, उर्वरक एवं पौध संरक्षण दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच कर उन्हें उर्वरक उपयोग की वैज्ञानिक सलाह देने पर जोर दिया गया। नरवाई प्रबंधन के अंतर्गत हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर मशीनों की उपलब्धता बढ़ाने तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे जल संरक्षण के साथ उत्पादकता में वृद्धि हो सके।

दुग्ध उत्पादन और संग्रहण में वृद्धि की जाए

कलेक्टर ने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कहा की किसानों के लिए पशुपालन आय का अतिरिक्त साधन है। किसानों को पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए और शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए। पशुपालन एवं दुग्ध विकास गतिविधियों की समीक्षा में सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन एवं संग्रहण में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई। जिले में बड़ी संख्या में समितियों के माध्यम से प्रतिदिन दुग्ध संग्रहण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। पशु आहार वितरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से पशुपालकों को लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पशुपालन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा

कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कहां की परंपरागत खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दिया जाए। किसानों को ड्रिप इरीगेशन के लिए भी प्रेरित किया जाए। जिले में उद्यानिकी क्षेत्र के विस्तार और उत्पादन वृद्धि की दिशा में सकारात्मक प्रगति सामने आई। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी रकबे में वृद्धि के साथ फल, सब्जी एवं बागवानी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए जिले के समग्र विकास में योगदान सुनिश्चित करे, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। बैठक में कृषि उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय, उद्यानिकी विभाग सहायक संचालक जगदीश मुजाल्दा, पशुपालन विभाग के अधिकारी आरपी गौतम, मत्स्य विभाग के अधिकारी प्रशांत हर्ष, सहकारिता विभाग के अधिकारी सुधीर कैथवास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला जेल में स्वास्थ्य परीक्षण व जागरुकता शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीहोर जिला जेल में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधिपति द्वारा ऑनलाइन किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान जिला चिकित्सालय के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा जेल के 259 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में बंदियों की आंख, रक्त मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी जांच की गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य जेल के भीतर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं विधिक सेवा योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। उन्होंने स्वास्थ्य परीक्षण हेतु बनाये गये काउंटर एवं महिला बैरकों का निरीक्षण किया तथा बंदियों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण के निर्देश दिए। बंदियों तथा जेल प्रशासन के अनुरोध एवं बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा एनजीओ वारियो शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर द्वारा उपलब्ध कराए गए वाद्ययंत्र को बंदियों के लिए जेल प्रशासन को दिए।

सचिव स्वप्नश्री सिंह कहा कि किसी व्यक्ति के लिए पहला सुख है निरोगी काया और इसी उद्देश्य से यह स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने जेल लोक अदालत, प्ली बारगेनिंग एवं विधिक सहायता एवं सलाह योजना के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में पैनल अधिवक्ताओं तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा बंदियो के प्रकरणों में पेशियों तथा अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया। विधिक परामर्श प्रदान किया गया तथा विधिक सहायता हेतु इच्छुक बंदियों की जानकारी भी ली गई। साथ ही बंदियों से अपील प्रस्तुति के सम्बंध में जानकारी ली गई। भैरूंदा सब जेल में भी 90 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, सिविल सर्जन डॉ. उमेश श्रीवास्तव एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम, जेलर अक्षय सिंहोतके, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स शरद जोशी, आसिफ खान, राजेन्द्र कुशवाह, कु. एकता सेन, कु. संयोगिता सोलंकी, पैनल लॉयर्स, अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेन्टियर्स एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सीय स्टॉफ उपस्थित रहे।

नरवाई प्रबंधन की दिशा में प्रगतिशील पहल, किसान भारत सिंह बने प्रेरणा स्रोत

आष्टा। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निर्देशानुसार नरवाई (फसल अवशेष) जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। पर्यावरण संरक्षण एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से शासन द्वारा नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील जावर के कुंडिया धागा गांव के प्रगतिशील किसान भारत सिंह पिता पर्वत सिंह ने एक सराहनीय पहल करते हुए नरवाई प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हल्का पटवारी शिवचरण रणकौशल द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर तहसीलदार जावर ओमप्रकाश चोरमा ने पटवारी के साथ स्वयं मौके पर पहुंचकर इस यंत्र की कार्यप्रणाली को देखा और समझा। किसान भारत सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी एवं अपने परिवार की कुल 65 एकड़ भूमि में इस तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक नरवाई प्रबंधन किया है। यह यंत्र कम लागत में अधिक क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने में सक्षम है। तहसीलदार ओमप्रकाश चोरमा द्वारा बताया कि किसान भारत सिंह ने टिमरनी क्षेत्र से 'पाटा' नामक एक देशी जुगाड़ से निर्मित कृषि यंत्र खरीदा है। इस यंत्र की विशेषता यह है कि इसके निचले हिस्से में ब्लेड लगी होती है, जिससे ट्रैक्टर के माध्यम से खेत में चलाने पर नरवाई जड़ से कट जाती है। इसके पश्चात खेत में कल्टीवेटर या प्लाऊ चलाने से फसल अवशेष मिट्टी में मिल जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरता में वृद्धि होती है। किसान की इस प्रेरणादायक पहल से प्रभावित होकर तहसीलदार द्वारा उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही आशा व्यक्त की कि भारत सिंह के इस तरह के कम खर्चीले नवाचार को अपनाकर अधिक से अधिक किसान नरवाई प्रबंधन को अपनाएंगे। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा नरवाई प्रबंधन को अपनाने हेतु किसानों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा कृषि यंत्रों पर सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। वहीं, नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है।

भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के समापन पर महाआरती का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर के बस स्टैंड स्थित श्री हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ, प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसके अंतिम दिवस देव पूजन, हवन एवं पूर्णाहुति के पश्चात दोपहर में भंडारे का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर यज्ञ संचालक पंडित दुर्गा प्रसाद कटारे बाबा, समिति के अध्यक्ष रुद्रप्रकाश राठौर, यज्ञाचार्य पंडित दीपक शास्त्री, पंडित अनिल शर्मा के द्वारा यहां पर आए संतों और महंतों का स्वागत और सम्मान किया। शनिवार को कथा दोपहर में आरंभ की इस मौके पर कथा व्यास डॉ. प्रज्ञा भारती ने कहाकि माता पिता के दिए वचन और गुरु के आदर्शों पर चल कर भगवान श्रीराम आदर्श पुरुषोत्तम राम कहलाए। भगवान राम के आदर्श को अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। डॉ. भारती ने कहाकि अब तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी संख्या में मंदिरों का जीर्णोद्धार करने वाले पंडित श्री कटारे बाबा भगवान की सेवा का कार्य का सबसे बड़ा उदाहरण है।

ध्यान से परमात्मा की प्राप्ति संभव

यज्ञ संचालक पंडित दुर्गा प्रसाद कटारे बाबा ने कहाकि ध्यान से परमात्मा की प्राप्ति संभव है। ध्यान से पाप का नाश होता है। जीवन चक्र के संचित पाप को ध्यान के माध्यम से मिटाया जा सकता है। ध्यान के बाद अंदर से अग्नि प्रज्वलित होगी, जो संचित पाप को जलाकर भस्म कर देगी। सत्संग के सानिध्य से ही मानव का कल्याण संभव है। सत्संग के प्रभाव से मनुष्य में बुरे कर्मो को त्यागने की प्रवृति जागृत होती है। अच्छे कर्मों से अच्छा तथा बुरे कर्मों से बुरा फल प्राप्त होता है। इसलिये हर मनुष्य को बुरे कर्मों का त्याग कर अच्छे कर्म करना चाहिए। उन्होंने ध्यान योग की चर्चा करते हुए कहा कि मन काफी चंचल होता है। मन विषय की तरफ भागता है। जिसे कंट्रोल करने की कोशिश करनी चाहिए। शुन्यगत मन को ध्यान कहा जाता है। पांच पाप को त्याग करने से ही ध्यान संभव है। मन की चंचलता निरंतर अभ्यास करने से दूर होगा। इसलिये एक बिंदु पर दृष्टि टिकाकर एकाग्रचित्त होकर ध्यानाभ्यास किया जाता है। सत्संग की महिमा पर प्रकाश डाला एवं लोगों को संतमत के बतलाये मार्ग को अपने जीवन में अनुसरण करने की बात कही। संध्याकालीन व प्रातः कालीन सत्संग ज्ञान सभा में क्षेत्र की महिला व पुरुष सत्संग प्रेमियों ने महात्माओं के प्रवचन का श्रवण किया।

बस स्टैंड पर उमड़ा आस्था का सैलाब

शहर के बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में जारी भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ और प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन पूरी दिव्यता के साथ किया गया। इस मौके पर लगातार सात दिनों तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा।

नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल-भारत की राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

संत समाज, जागरूक लोगों का कर्तव्य है हमारी सनातनी धर्म और संस्कृति को बचाना : रामभूषण दास महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

संत समाज, जागरूक लोगों का कर्तव्य है हमारी सनातनी धर्म और संस्कृति को बचाना। संस्कृति को खत्म करने का एक सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र रचा जा रहा है। सनातनी परंपराएं और संस्कृति इतनी मजबूत है कि मुगल और अंग्रेज भी इसे खत्म नहीं कर पाए लेकिन अंग्रेज जाते-जाते हमारी मानसिकता में जो अंग्रेजी का और पश्चिमी सभ्यता का बीजारोपण कर गए उसक कारण हमारी संस्कृति को खतरा उत्पन्न होने लगा है। आज हम स्वयं ही हमारी संस्कृति के सबसे बड़े दुश्मन हो गए है। पश्चिमी सभ्यता हमारे उपर हावी है। उक्त विचार शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में शनिवार को आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल-भारत की राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर रामभूषण दास महाराज ने कहे। महामंडलेश्वर महाराज मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। इस मौके पर अनेक विषय पर यहां पर मौजूद संतों ने चर्चा की।

संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि आर्यावर्त षट्दर्शन साधु मंडल-भारत सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्यरत साधुओं का एक प्रमुख संगठन है। इस मंडल की बैठकों में देशभर के साधु-संत शामिल होते हैं, जिसमें महंत रामभूषण दास महाराज जैसे वरिष्ठ संतों की प्रमुख भूमिका रही है। यह मंडल हिंदू धर्म के संरक्षण व प्रसार के लिए कार्य करता है।

इस मौके पर संतों ने सभा को संबोधित किया। सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति का संरक्षण करने के लिए वेदों, पुराणों और सांस्कृतिक मूल्यों का अध्ययन, युवाओं को भारतीय इतिहास व नैतिक शिक्षा देना, और अपनी परंपराओं का अनुसरण करना आवश्यक है। इसमें जातिगत भेदभाव को भुलाकर हिंदू एकता, धर्म का प्रचार, और दया व सेवा जैसे मूल सिद्धांतों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

संकल्प के साथ पंच कुण्डात्मक महायज्ञ शुरू

भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ आरंभ हो गया है। शनिवार को सुबह मंदिर परिसर में महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास महाराज के सानिध्य में बड़ी संख्या में यज्ञ में बैठने वाले यजमानों ने संकल्प लिया। इस दौरान संत माधवदास महाराज, मुख्य यजमान श्रीमती अखिलेश राय, महाकुंभ कलश प्रभारी सन्नी सरदार, बजरंग दल अध्यक्ष जगदीश कुशवाहा, रजत मुंदडा, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास आदि शामिल थे। अब यज्ञाचार्य श्री व्यास के मार्गदर्शन में रविवार को सुबह आठ बजे पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, देवताओं का आह्वान और अग्नि स्थापना आदि की दिव्य क्रिया की जाएगी।

11 लाख रुद्राक्ष महोत्सव के लिए भूमिपूजन सोमवार को

आष्टा। नगर में आयोजित होने जा रहे 11 लाख रुद्राक्ष महोत्सव, सामूहिक कन्या विवाह एवं कथा के अंतर्गत भूमि पूजन कार्यक्रम आगामी सोमवार को संपन्न होगा। यह आयोजन सत्यम सेवा संस्था आष्टा के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसे लेकर नगर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भूमि पूजन कार्यक्रम 27 अप्रैल 2026, सोमवार को सुबह 9:30 बजे मुकाती जी की बावड़ी, कन्नौद रोड, आष्टा पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संतों के सानिध्य में विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न होगा। कार्यक्रम में संत श्री साध्वी ऋतुंभरा देवी जी के परम शिष्य एवं व्यवस्थापक स्वामी श्री सत्य जी महाराज द्वारा भूमि पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार भाजपा नेता संजीव सोनी 'पांचम' ने जानकारी देते हुए बताया कि 2 जून से 8 जून 2026 तक आयोजित होने वाला यह महोत्सव आष्टा नगर के इतिहास का एक भव्य धार्मिक आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान 11 लाख रुद्राक्ष वितरण, सामूहिक कन्या विवाह एवं भव्य कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर से संत-महात्मा एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन में सकल हिन्दू समाज, मानस भवन समिति,हिन्दू उत्सव समिति,शीतला माता मंदिर समिति सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों का एवं मातृ शक्ति का विशेष सहयोग मिल रहा है। आयोजन समिति ने नगर के सभी नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। नगर में इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।